Circulars for Sterilisation issued by D.M.C., D.E.S.U., etc.

*268. SHRI KANWAR LAL GUPTA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that circulars for sterilisation were issued by Delhi Administration, D.M.C., D.E.S.U., D.D.A; and other Government Departments of Delhi;

(b) number of Government servants including the employees of local bodies sterilised during the emergency period;

(c) the number of policemen, sweepers and teachers who were sterilised during emergency period;

(d) names and addresses of those persons who brought more than 100 cases of sterilisation; and

(e) what award was given to them?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री (श्री राज नारायण) : (क) जी, हां ।

(ख) आपात स्थिति के दौरान दिल्ली प्रशासन के 44,451 कर्मचारियों ने, जिनमें दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका, दिल्ली छावनी बोर्ड, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान, दिल्ली विकास प्राधिकरण, जलपूर्ति तथा मल निकास विभाग, दिल्ली परिवहन निगम, आदि स्थानीय निकायों के कर्मचारी भी शामिल हैं, नसबन्दी आपरेशन कराए ।

(ग) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि पुलिस कर्मचारियों, स्वीपरों और अध्यापकों के बारे में अलग से कोई रिकार्ड नहीं रखा गया है ।

(घ) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि ऐसे बहुत से व्यक्ति हो सकते हैं, जो 100 से अधिक व्यक्ति लाए हों, किन्तु उन सबके बारे में पूरी सूचना उपलब्ध नहीं है । अलबत्ता, जिन व्यक्तियों के नाम और पूरे पते उपलब्ध हैं, वे इस प्रकार हैं :—

1. श्रीमती के० राधारमण, पत्नी श्री राधारमण, भूतपूर्व कार्यकारी पार्षद, दिल्ली ।

2. श्री ललित माकन, महासचिव, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति, दिल्ली ।

3. श्री जगमोहन, भूतपूर्व उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकरण ।

4. श्रीमति ए० के० बिन्द्रा, पी० ई० टी० राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, निकल्सन रोड, दिल्ली ।

5. श्रीमती रुख्साना सुल्तान, 20 नरेन्द्र प्लेस, संसद् मार्ग, नई दिल्ली ।

6. श्री हरचरण सिंह जोश, 1207 शोरा कोठी, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

7. श्री जगदीश टाइटलर, 12-बी, पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली–60 ।

8. श्री अर्जुन दास, बी–II/ए, डी०डी० ए० फ्लैट्स, मुनीका, नई दिल्ली ।

(ङ) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि केवल श्रीमती ए० के० बिन्द्रा को ही 500 रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया था ।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैं मंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं कि बहुत सुन्दर जवाब उन्होंने दिया है और मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि दिल्ली में जो भी स्टेरिलाइज़ किये गये केसेज़ हैं उनमें काफी जबरदस्ती हुई है । मेरे पास एक सर्कुलर है दिल्ली कारपोरेशन का और उसकी फोटोस्टेट कापी है, छोटी सी है जिसमें लिखा हुआ है :

The letter bearing No. 4564/ZEC/CZ/76 is dated 28-4-76.

"As per order of the Z.A.C., the following staff is hereby directed to get themselves sterilised. Otherwise, their serviceos will be terminated from 30-4-1976."

6 नाम इसमें दिये गये हैं । आप कहें तो मैं टेबिलपर रख दूं । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए संख्या** एल०टी० 583/77]

इसी तरीके से पुलिस कर्मचारियों को जबरदस्ती स्टरिलाइज किया गया । मुझे मालूम है कि बहुत सारे कर्मचारियों की मृत्यु भी हो गई । तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर ने राज निवास से प्रेस नोट जारी किया और सभी विभागों से कहा कि स्टरिलाइजेशन किसी कीमत पर भी किया जाय, और जो न करे उसे नौकरी से हटा दिया जाए, तनख्वाह न दी जाये । अगर यह प्रैस नोट जारी किया गया है तो वह क्या है, और क्या सरकार उस लेफ्टीनेंट गवर्नर के खिलाफ और जो इस तरह के अधिकारी हैं जिन्होंने जबरदस्ती की है उनके खिलाफ आप डिपार्टमेंटल कार्यवाही करेंगें कि नहीं ?

श्री राज नारायण असल में धन्यवाद के पात्र माननीय सदस्य हैं क्योंकि उन्होंने एक ऐसा प्रश्न किया है कि जिससे केवल इस देश के लोग ही सम्बन्धित नहीं हैं, बल्कि विश्व सम्बन्धित हैं । और जब वर्ल्ड हैल्थ कानफरेंस होती है तो उसमें भी यह प्रश्न उठाया जाता है कि भारतवर्ष में पापुलेशन का ग्रोथ किस प्रकार है, उसको रोकने की क्या व्यवस्था होगी । अगर जबरदस्ती स्टेरिलाइजेशन बन्द किया जाता है तो उसकी एवज में क्या उपाय किये जायेंगे, यह व्यापक प्रश्न है और यह सब जगह होता है । और मैं कहना चाहता हूं कि शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता हो कि एक, दो विदेशी पत्रकार आकर के इसके बारे में जानकारी न प्राप्त करते हों कि सरकार की नई स्कीम क्या है ।

मूल प्रश्न माननीय सदस्य ने पूछा है कि प्रैस नोट क्या लेफ्टिनेंट गवर्नर ने जारी किया ? हां किया है । प्रेस नोट हमारे पास है । मैं उसको टेबिल पर रखता हूं ।

'The Lieutenant Governor, Shri Krishan Chand, has been laying a great deal of stress on family planning. On December 26, 1975, he inaugurated a special camp in Kasturba Hospital. The noteworthy feature of this camp is that the financial incentive was raised by five times in the case of motivators. Hitherto, the motivator's fee was Rs. 2 per case but, for the special type of motivation, they were paid Rs. 10. A special camp was held. In September 1975, as many as 425 operations had been performed within a fortniht. This was considered a record.

'The second camp was organised in the same area from December 26, 1975. In a fortnight, about 100 operations were performed'.

इस तरह से देखा जाये तो उस समय लेफ्टिनेंट गवर्नर बहुत कीन थे, यानी उनमें उमंग, जोश, उत्साह इतना भरा हुआ था कि चाहे जैसे हो, जनता को बाध्य करके जबर्दस्ती नसबन्दी करा दी जाये । अध्यक्ष महोदय, आपकी आज्ञा हो तो यह प्रेस-नोट मैं सदन के पटल पर रख देता हूं । [**ग्रंथालय में रखा गया । देखिये संख्या** एल० टी० 589/77]

एक माननीय सदस्य : कितना लम्बा है ?

श्री राज नारायण : काफी लम्बा है ।

इसमें सर्विस पर्सोनलज डैफिनीशन्स और अंडरटेकिंग्स वगैरह के बारे में सारी चीजें हैं और उनकी व्याख्या है ।

मगर मैं आश्चर्यचकित हूं कि भारत जैसा प्राचीन देश, जहां कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम लेकर हम सब राजनीति के लोग खाते-कमाते हैं, यह देश राम, कृष्ण और महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है, किसी दूसरे एक व्यक्ति के नाम से नहीं जाना जाता, मैं समझ नहीं पा रहा हूं, मेरी बुद्धि असमर्थ हो रही है कि क्यों यहां जबर्दस्ती स्टेरिलाइजेशन हुआ ?

ज्यादतियों के बारे में माननीय सदस्य ने पूछा है कि क्या जिन अफसरों ने ज्यादतियां की हैं, उन पर कार्यवाही की जाएगी ? मैं कहता हूं कि अवश्य की जाएगी । उन्होंने यह भी पूछा कि क्या उनकी जांच होगी ? मेरा कहना यह है कि जांच सेंट्रल तौर पर हो रही है । एमेर्जेंसी के बीच में जो जो ज्यादतियां हुई, उसके लिए एक जांच आयोग सरकार ने बना दिया है । उस जांच आयोग के साथ हमने अपने दिल्ली के लिए भी एक सेल खोल दिया है । जितनी आपत्तियां, शिकायतें लोगों को हों, वह वहां दे दें और उन्हें भी कमीशन के सामने रख दिया जायेगा । इसके अलावा और भी जितने तरीके जांच-पड़ताल के होंगे, उन सबको अख्त्यार कर के पूरी छानबीन की जायेगी कि किन-किन अफसरों ने किस-किस प्रकार से ज्यादतियां की हैं और जनता की जिन्दगी केसाथ खिलवाड़ किया है । जैसा मैंने पहले ही कहा है कि जनता पार्टी की सरकार की भुजायें लम्बी हैं और इसकी मुट्ठी कसी है । उससे कोई भी अपराधी छूट कर निकल नहीं सकता ।

श्री कंवर लाल गुप्त : मंत्री महोदय को मालूम है कि ज्यादातर कैम्प जो फैमिली प्लानिंग के लिए लगाये गये, उसमें लाखों रुपया यूथ कांग्रेस, कांग्रेस के नेताओं और जो नाम लिखे हैं, उन्होंने जनता से इकट्ठा किया । उसमें से ज्यादातर रुपया अपनी जेब में रखा और कुछ खर्चा किया । जो कैम्प लगाये गये थे, उसमें स्टर्लाइजेशन की ठीक व्यवस्था नहीं थी, जिसकी वजह से काफी लोग मरे भी ।

मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह जो उन्होंने 8 नाम दिये हैं, इन्होंने कितने-कितने केसेज दिये ? उनके आंकड़े क्या आपके पास हैं ? क्या सरकार उन लोगों से पूछेगी, जिनका स्टर्लाइजेशन हुआ है कि उनके साथ जबर्दस्ती हुई है या उन्होंने अपनी मर्जी से स्टर्लाइजेशन करवाया है ? अगर उनके साथ जबर्दस्ती हुई है तो उन लोगों के खिलाफ, जिनके नाम मंत्री महोदय ने दिये हैं, कोई कार्यवाही की जायेगी ? क्या उनसे पैसे का हिसाब-किताब भी पूछा जायेगा ?

श्री राज नारायण : माननीय सदस्य ने उचित ही सप्लीमेंटरी की है । मैं उनके जवाब में बताना चाहता हूं कि विभिन्न संस्थानों द्वारा अब तक जो सूचनायें भेजी गई हैं उसके अनुसार प्रश्न के भाग 'ग' के उत्तर में उल्लिखित व्यक्तियों के द्वारा जिनको प्रेरित किया गया है, उनकी संख्या व नाम नीचे दिये गये हैं--श्रीमती के० राधारमण, 1824, (अन्तर्बाधाएं) जहां किसी कांग्रेसी नेता का नाम आता है, हल्ला मच जाता है । इससे क्या फायदा है ? इसके बाद श्री ललित माकन--3307, उपाध्यक्ष डी० डी० ए०-21,166

श्रीमती रुखसाना सुल्ताना : 8460, श्री एच० एस० जोश : 1218, श्री जगदीश टिटलर : 320, श्री अर्जुन दास : 1214 ।

(ख) में क्रमांक (4) पर वर्णित श्रीमती ए० के० बिन्द्रा के सम्बन्ध में आंकड़े उपलब्ध नहीं है ।

माननीय सदस्य ने प्रश्न किया है कि इसमें कितने रुपये लोगों से जबर्दस्ती वसूल किये गये, कितने धन का खर्च हुआ, उन्होंने कितना अपने पर खर्च किया । यह सूचना सरकार के पास नहीं है । इसके आंकड़े एकत्रित किये जा रहे हैं । उपलब्ध होने पर उन्हें सदन के सामने रख दिया जायेगा ।

श्री कंवर लाल गुप्त : क्या मंत्री महोदय यह मालूम करेंगे कि इन लोगों ने वालन्टेरी स्टेर्लाइजेशन कराया, या जबर्दस्ती उनका स्टेर्लाइजेशन किया गया । अगर उनकी जबर्दस्ती नसबन्दी की गई, तो क्या सरकार इन लोगों का प्रासीक्यूशन करेगी ?

श्री राज नारायण : इस सम्बन्ध में जो तात्कालिक सूचना प्राप्त हुई है, मैं उसे भी सदन के सामने रख देना चाहता हूं । इन व्यक्तियों को फीस के रूप में निम्नलिखित रकम दी गई है :

श्रीमती रुखसाना सुल्ताना : 84,210 रुपए, श्रीमती के० राधारमण : 16,060 रुपये, श्री जगदीश टिटलर : 3,170 रुपए, श्री अर्जुन दास : 7,080 रुपए, उपाध्यक्ष, डी० डी० ए० : 4,370 रुपये, श्री हरचरण सिंह जोश : 12,030 रुपए, श्री ललित माकन : 28,890 रुपए ।

श्री शिवनारायण सरसूनिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली में गन्दी खाने की चीजें बेची जा रही हैं और इस तरह जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है । उसका नमूना यह लिमिका की बोतल है ।

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, he is showing a soda bottle. It is dangerous to show such things inside the House.

MR. SPEAKER: That is not a soda bottle. That is a Limca bottle. Perhaps he wanted to show the contents of the Limca bottle thinking that the debate on Food and Agriculture Ministry has started. Now, we have taken up Short Notice Question which is being answered by the Minister. Please sit down.

अध्यक्ष महोदय : शार्ट नोटिस क्वेश्चन—श्री ओ० पी० त्यागी ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री (श्री राज नारायण) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि वे जरा सदन में डिसेन्सी और डेकोरम बनाये रखें । मेरी यह आदत नहीं है कि मैं हल्ले में बोलूं । मैं तो चाहता हूं कि यहां शान्त वातावरण हो, अपनी बात कहिये और दूसरों की बात सुनिये—अगर कटु हो, तो भी सुनिये ।

SHORT NOTICE QUESTION

एन्टरो वायोफार्म तथा मेक्साफार्म के प्रयोग पर प्रतिबन्ध

+

S.N.Q. 8. श्री ओम प्रकाश त्यागी :
डा० वसन्त कुमार पंडित :
डा० बापू कालदत्ते :
डा० मुरली मनोहर जोशी :
श्री समर गुह :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान अमरीका के एक प्रसिद्ध मेडिकल जनरल में प्रकाशित